

मुख्यमंत्री ने गोधन न्याय योजना के हतिग्राहियों को कया 7 करोड़ 4 लाख रुपए का भुगतान

चर्चा में क्यों?

15 मार्च, 2023 को प्रदेश के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विधानसभा स्थिति अपने कार्यालय कक्षा में आयोजित कार्यक्रम में गोधन न्याय योजना के तहत पशुपालक ग्रामीणों, गौठानों से जुड़ी महिला समूहों और गौठान समितियों को 7 करोड़ 4 लाख रुपए की राशि का ऑनलाइन भुगतान किया।

प्रमुख बडि

- मुख्यमंत्री द्वारा कयि गए भुगतान में 16 फरवरी से 28 फरवरी तक गौठानों में पशुपालक ग्रामीणों, किसानों, भूमिहीनों से करय कयि गए 13 लाख क्वटिल गोबर के एवज में 4 करोड़ 25 लाख रुपए, गौठान समितियों को 1.65 करोड़ रुपए और महिला समूहों को 1.14 करोड़ रुपए की लाभांश राशि शामिल हैं।
- 16 फरवरी से 28 फरवरी तक गौठानों में कुल 13 लाख क्वटिल गोबर की खरीदी हुई है, जसके एवज में गोबर वकिरेताओं को अंतरति की जाने वाली 4.25 करोड़ रुपए की राशि में से 1.92 करोड़ की राशि कृषि विभाग द्वारा तथा 2.33 करोड़ रुपए का भुगतान स्वावलंबी गौठानों द्वारा कयि जाएगा।
- स्वावलंबी गौठानों द्वारा गोबर खरीदी के एवज में अब तक 52 करोड़ रुपए का भुगतान स्वयं की राशि से कयि गया है।
- गौरतलब है कि 'गोधन न्याय योजना' के तहत राज्य में हतिग्राहियों को आज भुगतान की गई राशि को मलाकर अब तक 419 करोड़ 25 लाख रुपए का भुगतान कयि जा चुका है।
- गोबर वकिरेताओं से करय कयि गए गोबर के एवज में 215 करोड़ 50 लाख रुपए का भुगतान कयि जा चुका है। गौठान समितियों एवं महिला स्व-सहायता समूहों को अब तक 185 करोड़ 77 लाख रुपए का भुगतान कयि जा चुका है।
- छत्तीसगढ़ राज्य में 20 जुलाई, 2020 से गोधन न्याय योजना के तहत 2 रुपए प्रति किलो के मूल्य पर गोबर की खरीदी की जा रही है। राज्य में 28 फरवरी, 2023 तक गौठानों में 75 लाख क्वटिल गोबर की खरीदी की गई है।
- मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर कहा कि बड़ी संख्या में गौठान स्वावलंबी हो रहे हैं। स्वावलंबी गौठानों को प्रोत्साहित करने के लयि गौठानों की संचालन समिति के अध्यक्ष और सदस्य को मानदेय प्रदान करने का नरिणय लयिा गया है।
- उन्होंने कहा कि अब गोबर से अन्य उत्पादों के बनाने के अलावा बजिली बनाने का काम शुरू हो गया है। बस्तर के डोमरपाल में गोबर से बजिली बनाने के संयंत्र को ग्रडि से सकिरोनाईज कयि जा चुका है। इससे बनने वाली बजिली की दर 9 रुपए प्रति यूनिट तय कर दी गई है।
- उल्लेखनीय है कि गोधन न्याय योजना के तहत गोबर खरीदी में स्वावलंबी गौठान न सिर्फ अपनी सहभागति नभिा रहे हैं बल्कि नरितर बढत बनाए हुए हैं। बीते कई पखवाडों से गोबर खरीदी के एवज में भुगतान की जा रही राशि में स्वावलंबी गौठानों की हसिसेदारी 60 से 70 प्रतिशत तक रही है।
- वर्तमान में 50 फीसदी से अधिक गौठान स्वावलंबी हो चुके हैं, जो स्वयं की राशि से गोबर एवं गौमूत्र की खरीदी के साथ-साथ गौठान की अन्य गतिविधियों को स्वयं की राशि से पूरा कर रहे हैं।